मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति और रजिस्ट्रार ने लाल किले में हुए कार विस्फोट की कड़ी निंदा की; इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र की अंतरात्मा पर हमला बताया

नई दिल्ली, 14 नवंबर, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ़ और रजिस्ट्रार प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी ने 10 नवंबर, 2025 को दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार विस्फोट की कड़ी निंदा की और इसे निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाला "आतंकवाद का एक नृशंस और जघन्य कृत्य" बताया।

प्रो. आसिफ़ ने पूरे देश को झकझोर देने वाली इस घटना पर अपना दुख और शोक व्यक्त करते हुए कहा, "इस तरह के आतंकी कृत्य उन मूल्यों और सिद्धांतों अर्थात शांति, सद्भाव और एकता के मूल्य के विरुद्ध हैं जिन्हें इस महान राष्ट्र और हमारी समृद्ध सभ्यता ने लंबे समय से कायम रखा है। यह संदेश प्राचीन काल से ही भारतीय दार्शनिकों और विचारकों द्वारा और वर्तमान में विशेष रूप से हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा, पूरी दुनिया में प्रसारित किया जाता रहा है। संकट की इस घड़ी में, जामिया 'आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के प्रति ज़ीरो टोलरेंस की नीति के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता' में भारत सरकार के साथ दृढ़ता से खड़ा है और हम उस दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद दिन अपनी जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।"

प्रो. आसिफ़ ने आगे कहा, "आतंकवाद और नासमझ रक्तपात के ऐसे जघन्य कृत्य, इतिहास के ऐसे क्षण में जब भारत को दुनिया में अहिंसा और शांति के एक ज्वलंत उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है, राष्ट्र की सेवा करने के हमारे दृढ़ संकल्प और देशभक्ति को और मजबूत करेंगे।"

प्रो. रिज़वी ने लाल किले में हुए कार विस्फोट की निंदा करते हुए कहा, "ऐसा अमानवीय, दुर्भाग्यपूर्ण और बेहद परेशान करने वाला कृत्य न केवल इस महान राष्ट्र के मूल चरित्र पर प्रहार है, बल्कि भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी एक बड़ा हमला है। यह इस देश के प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा को खतरे में डालता है। ऐसे समय में जब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और भारत सरकार भारत की युवा आबादी की क्षमता को उजागर करने और युवाओं पर ध्यान केंद्रित करके और देश के उच्च शिक्षा संस्थानों के नवीनीकरण के माध्यम से हमारे मानव संसाधन का लाभ उठाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं, ऐसे भयावह और नासमझ कृत्य हमें अत्यंत दुखी करते हैं जिसके लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। इसके अलावा, सभ्य समाज में हिंसा का कोई स्थान नहीं है।" प्रोफ़ेसर रिज़वी ने आगे कहा, "हम इस कठिन समय में भारत सरकार के साथ हैं और जामिया इन चुनौतियों से पार पाने के लिए शांति और सद्भाव को मज़बूत करता रहेगा। हालाँकि, ऐसी बाधाएँ हमें और करीब लाएँगी और हम एक मज़बूत और अधिक लचीले राष्ट्र के रूप में उभरेंगे जो हमारी प्रगति और विकास में बाधा डालने वाले ऐसे प्रयासों के बावजूद अडिग रहेगा।"

प्रोफ़ेसर साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी